Central Water Commission
Water Systems Engineering Directorate
******

West Block II, wing No- 5
R K Puram, New Delhi-66
Dated 15.11.2018

Subject: Submission of News Clippings

The News Clippings on Water Resources Development and allied subjects are enclosed for perusal of the Chairman, CWC, and Member (WP&P/D&R/RM), Central Water Commission; the soft copies of clippings have also been uploaded on the CWC website.

15.11.2018

Encl: As above.

SPA (Publicity)

O/c

Deputy Director, ~~WSE~~ Dte. 15/11/18

Director, WSE Dte.
On a Training

For information to:

Chairman, CWC, New Delhi

Member (WP&P/D&R/R.M.), CWC and all concerned, uploaded at www.cwc.gov.in

News item/letter/article/editorial Published on 15/11/18 in the

Hindustan Times
Statesman
The Time of India (New Delhi)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu (New Delhi)
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
The Times of India (A)
Business standard
The Economic Times

and documented at Bhagirath (English) & Publicity Section, CWC

Cyclone Gaja expected to strike today

K.LAKSHMI
CHENNAI

HT 15

Parts of coastal Tamil Nadu and Puducherry will begin to get widespread rainfall from Thursday as Cyclone Gaja comes closer to the State's coast.

According to the met department, Gaja now lies over the Bay of Bengal, about 510 km east-northeast of Nagapattinam and 430 km east-southeast of Chennai. It is likely to cross the coast between Cuddalore and Pamban in Ramanathapuram district on Thursday evening, with a wind speed of 90 kmph and gusting up to 100 kmph.

S.Balachandran, Deputy Director General of Meteorology, Chennai, said parts of seven districts – Cuddalore, Nagapattinam, Karaikal, Tiruvarur, Thanjavur, Pudukottai and Ramanathapuram – are likely to experience heavy to very heavy rainfall.

News item/letter/article/editorial Published on 15/11/18 in the

Hindustan Times
Statesman
The Time of India (New Delhi)
Indian Express
Tribune

Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu (New Delhi)
Rajasthan Patrika (Hindi)

Deccan Chronicle
Deccan Herald
The Times of India (A)
Business standard
The Economic Times

and documented at Bhagirath (English) & Publicity Section, CWC

₹50-cr NGT fine on Punjab over river pollution

NEW DELHI, NOVEMBER 14

The National Green Tribunal has ordered the Punjab Government to deposit a fine of Rs 50 crore as environmental compensation for polluting the Sutlej and Beas due to uncontrolled industrial discharge.

The Bench had clubbed several similar cases, including the one dealing with the death of fish due to untreated discharge from sugar industries in May this year.

It has asked Punjab to recover the fine from industries in two weeks. "Earlier, a committee found that the discharge was not being treated as treatment plants were not functioning," PPCB counsel Nagendra Benipal said. — IANS

News item/letter/article/editorial Published on ....15/11/18.......... in the

Hindustan Times	✓ Hindustan (Hindi)	Deccan Chronicle
Statesman	Nav Bharat Times (Hindi)	Deccan Herald
The Time of India (New Delhi)	Punjab Keshari (Hindi)	The Times of India (A)
Indian Express	The Hindu (New Delhi)	Business standard
Tribune	Rajasthan Patrika (Hindi)	The Economic Times

and documented at Bhagirath (English) & Publicity Section, CWC

ब्राउन टू ग्रीन रिपोर्ट के अनुसार भारत को प्रयास तेज करने होंगे

जलवायु परिवर्तन रोकने की कोशिश नाकाफी

H-15

रिपोर्ट

नई दिल्ली | मदन जैड़ा

नवीन ऊर्जा के क्षेत्र में भारत ने महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं। लेकिन पेरिस समझौते के अनुरूप तापमान बढ़ोतरी को 1.5 डिग्री तक सीमित रखने के प्रयास नाकाफी हैं। एक ताजा रिपोर्ट ब्राउन टू ग्रीन-2018 में यह बात कही गई है। रिपोर्ट में जी-20 देशों द्वारा जलवायु परिवर्तन से निपटने के उपायों की समीक्षा की गई है। ब्यूनर्स आयर्स में 30 नवंबर से जी-20 देशों का शिखर सम्मेलन शुरू हो रहा है, उससे ठीक पहले यह रिपोर्ट जारी की गई है।

भारत ने 2030 तक ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन की तीव्रता में 33-35 फीसदी तक की कमी लाने का ऐलान किया था। लेकिन पेरिस समझौते के अनुसार डेढ़ डिग्री के लक्ष्य के हिसाब से कम है।

क्लाईमेट ट्रांसपरेंसी द्वारा जारी रिपोर्ट में कई और भी चिंताएं जताई गई हैं। इसमें कहा गया है कि 2030 तक भारत के ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में भी करीब-करीब दोगुने की बढ़ोतरी होने की आशंका है। अभी यह 2454 मिलियन टन के करीब है जो 4570 मिलियन टन तक पहुंच जाएगी। यह उत्सर्जन दो डिग्री तापमान बढ़ोतरी के परिदृश्य से भी कहीं ज्यादा है। इसलिए भारत को विभिन्न क्षेत्रों के लिए अपने उत्सर्जन लक्ष्य नए सिरे से निर्धारित करने की जरूरत है।

पहल की सराहना भी की : रिपोर्ट में हालांकि भारत के कई अहम कदमों का भी जिक्र किया गया है।

नवीन ऊर्जा के लक्ष्यों को लेकर भारत की सराहना भी की गई है। 2030 तक भारत ने सौ फीसदी इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन का लक्ष्य रखा है। जबकि हरित ऊर्जा उत्पादन 2027 तक 47 फीसदी पहुंच जाएगा।

20 देशों के उपायों की समीक्षा

रिपोर्ट में सभी जी-20 देशों द्वारा किए जा रहे उपायों की समीक्षा की गई। लेकिन इस बात पर चिंता व्यक्त की गई है कि जी-20 देशों की जीवाश्म ईंधन से निर्भरता घट नहीं रही है। अभी भी इन देशों में 82 फीसदी तक जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल हो रहा है। सऊदी, ऑस्ट्रेलिया और जापान में तो यह निर्भारता 90 फीसदी से भी अधिक है। ऊपर से कई देशों में जीवाश्म ईंधन पर सबसिडी भी दी जा रही है।

नवीन ऊर्जा उत्पादन बढ़े

जी-20 देशों में औसतन 24 फीसदी नवीन ऊर्जा का उत्पादन हो रहा है। लेकिन भारत में अभी यह महज 16 फीसदी है। लेकिन औद्योगिक उत्सर्जन की तीव्रता (2012-17) में कमी महज 11 फीसदी की है। भारत में यह कहीं ज्यादा 13 फीसदी है।

उत्सर्जन आधा किया जाए

रिपोर्ट के सह लेखक जान बर्क ने कहा कि जी-20 देशों को तापमान बढ़ोतरी डेढ़ डिग्री सीमित रखने के लिए 2030 तक अपने उत्सर्जन को आधा करना होगा। लेकिन इस दिशा में कोई गंभीर पहल होती नहीं दिख रही है।

News item/letter/article/editorial Published on 15/11/2018 in the

Hindustan Times
Statesman
The Time of India (New Delhi)
Indian Express
Tribune

Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu (New Delhi)
Rajasthan Patrika (Hindi)

Deccan Chronicle
Deccan Herald
The Times of India (A)
Business standard
The Economic Times
✓ **Amar ujala, New Delhi**

and documented at Bhagirath (English) & Publicity Section, CWC

यमुना पर नोएडा से प्रयागराज तक बनेगा जलमार्ग

जलमार्ग प्राधिकरण की कॉन्फ्रेंस में बोलीं परिवहन विभाग की प्रमुख सचिव

लखनऊ। यमुना नदी पर नोएडा से प्रयागराज तक 1089 किमी का जलमार्ग बनेगा। इससे यूपी के चार बड़े शहरों नोएडा, आगरा, मथुरा एवं प्रयागराज का हल्दिया (पश्चिम बंगाल) तक समुद्री जलमार्ग से सीधा जुड़ाव हो जाएगा। जलमार्ग विकसित होने से विदेशी पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और माल ढोना सस्ता होगा। प्रमुख सचिव (परिवहन) आराधना शुक्ला ने यह बातें बुधवार को केंद्र सरकार के अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण एवं राज्य सरकार के परिवहन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित स्टॉक होल्डर्स कॉन्फ्रेंस को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहीं।

प्रमुख सचिव परिवहन ने कहा कि उप्र में यमुना पर राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या-110 को विकसित करने के लिए डीपीआर तैयार कराई जा रही है। इस जलमार्ग के बनने से दिल्ली का सीधा संपर्क समुद्र से हो जाएगा। यानी यमुना पर नोएडा से प्रयागराज तक जलमार्ग बनेगा। उधर, प्रयागराज से हल्दिया तक गंगा नदी पर जलमार्ग बन रहा है। इसके बनने पर प्रदेश में पर्यटन बढ़ेगा और अर्थव्यवस्था सुधरेगी। प्रदेश के हस्तशिल्प वस्तुओं को सस्ते भाड़े पर निर्यात किया जा सकेगा। पर्यटन क्षेत्र से जुड़े हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा।

प्राधिकरण के सदस्य (तकनीकी) एस के गंगवार ने कहा कि 1980 में जलमार्ग पर राष्ट्रीय नीति बनी थी लेकिन इसके 38 साल बाद गंगा पर जलमार्ग बन सका। उप्र में अब अंतर्देशीय जलमार्ग के विकास एवं संभावनाओं को देखते हुए 10 नदियों पर जलमार्ग बनेंगे। ब्यूरो